



भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को पैरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रचते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे पायदान पर रहते हुये भारत को पहला पदक दिलाया। ओलंपिक के इतिहास में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली मनु पहली भारतीय महिला है। उन्होंने फाइनल में मुकाबले में विवरनाम, तुर्की, कोरिया, चीन, और हांगरी के खिलाड़ियों से स्पर्धा करते हुए 221.7 अंक के साथ कास्य पदक जीता। कारिया की जिन ने ओलंपिक के इतिहास में राष्ट्रपति ने भारतीय महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना दी। भाकर ने पहली सीरीज में 97, दूसरी में 97, तीसरी में 98, चौथी में 96, 5वीं में 96 और छठी में 96 अंक हासिल किए थे। इसके अलावा भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में फाइनल में जगह बना दी है। मनु भाकर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें देश भर से बधाई और शुभकामना संदेश मिल रहे हैं।

प्र.मंत्री मोदी ने फोन करके मनु भाकर को ब्रॉन्ज मैडल जीत की बधाई दी

प्र.मंत्री ने उस दिन का भी जिक्र किया जब पिछले टोक्यो ओलंपिक में मनु भाकर को एन मौके पर राइफल खराब हो जाने के कारण प्रतियोगिता छोड़नी पड़ी थी

- प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर से आगे कहा, टोक्यो ओलंपिक में राइफल ने तुम्हारे साथ दगा कर दिया था, लेकिन इस बार तुमने सारी कमियों को पूरा कर दिया। इस पर मनु ने कहा कि अभी आगे और मैच भी है, उम्मीद रही ही कि उसमें और अच्छा कर्णी।
- राष्ट्रपति द्वापरी मर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैरिस ओलंपिक में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में कास्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर को बधाई देते हुए कहा कि यह और भी खास है क्योंकि वह निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला है।

अच्छा कर्णी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह और भी बहुत प्रोत्साहित किया गया है। इस पर मनु ने कहा कि हाँ बिल्कुल मां, पिंडी और भाई सभी को खुशी होगी।

उन्होंने एप्रिलों बहुत प्रोत्साहित किया है। इस पर मनु ने कहा कि हाँ बिल्कुल मां, पिंडी और भाई सभी को खुशी होगी।

राष्ट्रपति द्वापरी मर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैरिस ओलंपिक में कास्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर को हार्दिक प्रतीक्षा करते हुए कहा कि यह और भी खास है क्योंकि वह निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला है।

राष्ट्रपति द्वापरी मर्मू ने कहा कि उनके उपलब्धि के लिए उन्हें एप्रिल में अपनी बहुत बधाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर से आगे कहा, टोक्यो ओलंपिक में राइफल ने तुम्हारे साथ दगा कर दिया था, लेकिन इस बार तुमने सारी कमियों को पूरा कर दिया। इस पर मनु ने कहा कि यह और भी खास है क्योंकि वह निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला है।

अच्छा कर्णी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह और भी बहुत प्रोत्साहित किया गया है। इस पर मनु ने कहा कि हाँ बिल्कुल मां, पिंडी और भाई सभी को खुशी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर से आगे कहा, टोक्यो ओलंपिक में राइफल ने तुम्हारे साथ दगा कर दिया था, लेकिन इस बार तुमने सारी कमियों को पूरा कर दिया। इस पर मनु ने कहा कि यह और भी खास है क्योंकि वह निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला है।

अच्छा कर्णी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह और भी बहुत प्रोत्साहित किया गया है। इस पर मनु ने कहा कि हाँ बिल्कुल मां, पिंडी और भाई सभी को खुशी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मनु भाकर को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शूटर मन

विचार बिन्दु

सबसे उत्तम दान यह है कि आदमी को इतना योग्य बना दो कि वह दिना दान के काम चला सके। -तालमुद

साहित्य और राजनीति : यह रिश्ता क्या कहलाता है?

सा

हित्य और राजनीति के अंतः संबंधों पर प्रश्न बात होती है और उपर्युक्त को राजनीति से पर्याप्त दूरी बरतनी चाहिए, जबकि दूसरे खेमा उत्तर लोगों का है कि साहित्य को जो अनेक उपभोक्ता को भी साहित्यित में दिलचस्पी रखनी का चाहिए। इन दोनों खेमों का अनेक उपभोक्ता को भी हो सकते हैं। जो लोग ऐसा मानते हैं कि साहित्य को जो अनेक उपभोक्ता को भी हो सकते हैं। जो लोग ऐसा मानते हैं कि साहित्य को जो अनेक उपभोक्ता को भी हो सकते हैं। जो लोग ऐसा मानते हैं कि साहित्य को जो अनेक उपभोक्ता को भी हो सकते हैं।

दूसरी तरफ के लोग हैं जो मानते हैं कि राजनीति हमारे जीवन का एक अनिवार्य अंग है, वह हमारे जीवन के हर पहले को प्रश्नित करते हैं, अतः साहित्य और साहित्यित को उपर्युक्त की दूरी बरतनी की ज़रूरत नहीं है। इस सोच वाले लोगों में वे अद्वितीय भी शामिल हैं जो प्रमेंद्र के इस कथन को धारा करते हैं कि साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मारात है। प्रमेंद्र का पुरा कथन यह है:- “वह (अधीत साहित्य) देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई भी नहीं, बल्कि उपर्युक्त को आगे मारात दिखाती हूँ चलने वाली सच्चाई है। पढ़ने-सुनने में यह बात चाहे कितनी भी अच्छी बातें न लगे, जिसी हकीकत इससे बहुत भिन्न है। लेकिन यह तो माना ही होगा कि आप भले ही राजनीति से दूरी बरते, राजनीति को जीवन की नहीं छोड़ते हैं। और इसलिए साहित्य और साहित्यित का राजनीति से दूरी बरतना तक संभव नहीं है।”

अब यहीं एक बात यह आती है कि राजनीति से व्याप्त आशय है, और साहित्य का राजनीति से रिश्ता तरह का हो। कहा जा सकता है कि राजनीति दो खेमों का एक समूह है राजनीति जिसमें राज का मतलब सामन और नीति का मतलब उचित स्थान पर उचित कार्य करने की कला अधीत विशेष के द्वारा सामन करना राजनीति है। इसे यों भी कह सकते हैं कि जनता के सामाजिक और आर्थिक स्तर का प्रबंध करना राजनीति है। इस बात को अधिक सरल बनाकर कहें तो शासन में पद प्राप्त करना तथा सरकारी पद का उपयोग करना राजनीति है। सिद्धांतों ने राजनीति और सत्ता को अलग करके देखा जाना चाहिए तब व्यावहारिक रूप से राजनीति दलाल भी हो सकती है और निर्दलीय भी। जहां तक साहित्य और राजनीति के अंतः संबंध की बात है तो साहित्यिक किसी राजनीतिक विचारधारा या दल या नेता का समर्थन या विरोध करके राजनीति से दूरी बरतना कठिन लगता है। अपने जुड़ाव का परिचय देता है। अधिक व्यापक रूप से देखें तो किसी विचारधारा विशेष को पसंद कर और अपने साहित्य में उसे रूपायित करके साहित्य राजनीति से अपनी निकटा बताता है। भारत सहित दुनिया भर के साहित्य में मार्कर्सवाद से सलगन्ता इस बात का बेहतरीन उदाहरण है। हिंदी का प्रगतिशील अंदोलन इसी का भारतीय रूप है। बाद में हिंदी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ सीधी-सीधी दो अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबद्ध रहे और संबद्ध हैं। इसी तरह अन्य दलों और विचारधाराओं से भी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक दलों से संबद्ध हैं और संबद्ध हैं। इसी तरह अन्य दलों और विचारधाराओं से भी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक दलों से संबद्ध हैं और संबद्ध हैं।

भारत सहित दुनिया भर के साहित्य में मार्कर्सवाद से सलगन्ता इस बात का बेहतरीन उदाहरण है। हिंदी का प्रगतिशील अंदोलन इसी का भारतीय रूप है। बाद में हिंदी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ सीधी-सीधी दो अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबद्ध हैं और संबद्ध हैं। इसी तरह अन्य दलों और विचारधाराओं से भी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक दलों से संबद्ध हैं और संबद्ध हैं। इसी तरह अन्य दलों और विचारधाराओं से भी साहित्य की दुनिया में प्रगतिशील लेखक दलों से संबद्ध हैं और संबद्ध हैं।

समानों को लौटाकर अगर अपनी सीधी प्रतिक्रियाएं दी हैं तो याद कीजिए भारते हुए इश्वरिय, निराला, नागार्जुन, भगवती चरण वर्मा, रामेश राघव, भीष्म साहनी जैसे अनगिनत रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राजनीतिक धरनाक्रम पर अपनी बात की ही है। इधर अशोक वाजपेयी जिस तरह खुलके राजनीति पर टिप्पणीय कर रहे हैं वह साहित्य और राजनीति की नज़दीकी का एक अलग-बहार है। और इसका राजनीति पर उपर्युक्त भोली नहीं, चालाक है। प्रतिक्रिया काल या रीति काल में भी आको ऐसे अनेक उदाहरण मिल जायेंगे। मीरा के काव्य में तुलसी के काव्य में, बिहारी के काव्य में - सब जगह आप राजनीतिक चेतना भी पाते हैं।

यहीं एक बात और कहना ज़रूरी है। बहुत सारे लोग साहित्य और राजनीति की निकटा को अच्छी नहीं मानते हैं। वे साहित्य की स्वयंत्रता की बात करते हैं। मुझे लगता है कि यह भी एक नज़रिया है और इसका भी समान जागरूकता भी सही व्यापारी है। यह न व्यापों के लिए लेकिन जागरूक होनी चाहिए। लेकिन यहीं पक्का और प्राप्तिक्रिया करने की अपीली से अपनी अवधारणा की दृष्टि तो नहीं हुआ है। यह प्रतिज्ञा भोली नहीं, चालाक है। जब आप जीवन में या साहित्य में राजनीति पर कोई टिप्पणी करते हैं तो वह प्रतिज्ञा उड़ान कर सामने आती है और आपको कहती है कि आप तो बहुत महान हैं, पारवत है और आप कहां राजनीतिक चेतना भी पाते हैं। इसका लिए ज़रूरी है कि आप तो बहुत महान हैं नहीं होती है। यह एक कोचड़ी की बड़ी तरीकी है तो उनकी हत्या की जाती है। आप तो बहुत महान हैं नहीं होती है। यह एक ज़रूरी है और इसका भी समान जागरूकता भी सही व्यापारी है। यह न व्यापों के लिए लेकिन जागरूक होनी चाहिए। लेकिन यहीं पक्का और प्राप्तिक्रिया करने की अपीली से अपनी अवधारणा की दृष्टि तो नहीं हुआ है। एक राजनीतिक दल विशेष के अंदरी से अपनी और उसके बीच तो नहीं हुआ है। यह एक बदलाव यह आप आया है कि पहले जो विचारधारा और दल नके निशाने पर थे, अब वे भी पलटकर उनकी शैली में जावाब देने लगे हैं। इससे वातावरण खबर हुआ है।

निर्वाचनीय रूप में, मीरा या मानना है कि साहित्यिकराओं को प्रति पूरी तरह सभ्यग लोगों को गहराई में जाकर संसदीय विभागों के लिए बहुत पढ़ना ज़रूरी है। दूर्भाग्य से इधर प्रवृत्ति का उम्र तो इस विभाग पर लग रहा है। केवल उसी को पढ़कर जबकि राजनीति हो जाती है, अगले अलग राजनीति हो जाती है। अब यह मुगलता लगानी है कि वह उसी का जाप करती है। वीर-पात्रों के द्वारा राजनीति पर उपर्युक्त खेद कर रहा है। इधर अशोक वाजपेयी जिस तरह खुलके राजनीतिक धरने पर उपर्युक्त खेद करते हैं। पिछले कुछ बरसों में यह काव्य बहुत संवित और योग्याकारी कर्मचारियों के लिए स्वतंत्र हो जाए है। एक राजनीतिक दल विशेष के अंदरी से अपनी और उसके बीच तो नहीं हुआ है। एक राजनीतिक दल विशेष के अंदरी से अपनी और उसके बीच तो नहीं हुआ है। यह एक बदलाव यह आप आया है कि पहले जो विचारधारा और दल नके निशाने पर थे, अब वे भी पलटकर उनकी शैली में जावाब देने लगे हैं।

-अंतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यिकर)

राशिफल

सोमवार 29 जुलाई, 2024

सावन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2081, भरणी नक्षत्र दिन 10:55 तक, गंड योग सायं 5:55 तक, तैतिल करण प्रातः 6:42 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:45 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कक्ष, चन्द्र-मीन, कैतु-काशी राशि में।

आज दूसरा सावन वन दोस्रा अवस्था है।

श्रेष्ठ औद्योगिक: अमृत सूर्योदय से 7:33 तक, शुभ 9:13 से 10:53 तक, चार 2:13 से 3:53 तक, लाभ-अमृत 3:53 से 5:53 से।

राहकाल: 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 5:53, सूर्यस्त 7:13

मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक्र-कक्ष, शनि-कृष्ण, राहु-

मीन, कैतु-काशी राशि में।

आज दूसरा सावन वन दोस्रा अवस्था है।

श्रेष्ठ औद्योगिक: अमृत सूर्योदय से 7:33 तक, शुभ 9:13 से 10:53 तक, चार 2:13 से 3:53 तक, लाभ-अमृत 3:53 से 5:53 से।

राहकाल: 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 5:53, सूर्यस्त 7:13

मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक्र-कक्ष, शनि-कृष्ण, राहु-

मीन, कैतु-काशी राशि में।

आज दूसरा सावन वन दोस्रा अवस्था है।

श्रेष्ठ औद्योगिक: अमृत सूर्योदय से 7:33 तक, शुभ 9:13 से 10:53 तक, चार 2:13 से 3:53 तक, लाभ-अमृत 3:53 से 5:53 से।

राहकाल: 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 5:53, सूर्यस्त 7:13

मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक्र-कक्ष, शनि-कृष्ण, राहु-

मीन, कैतु-काशी राशि में।

आज दूसरा सावन वन दोस्रा अवस्था है।

